लोगों के सर्वांगिण विकास के लिए कटिबद्ध है यूपीए सरकार-चौधरी

आबू रोड, 7 सितम्बर, निसं। निर्धन और दबे कुचले लोगों को उपर लाने तथा उनके सर्वांगिण विकास के लिए यूपीए सरकार नयी-नयी योजनायें बना रही है। सरकार ने एक बिल पारित कर 1 से 14 साल के बच्चों को मुफ्त तथा मूल्यनिष्ठ शिक्षा देने का निर्णय लिया है। उक्त उदगार भारत सरकार के जनजातिय कार्य केन्द्रिय राज्यमंत्री डा0 तुषार अमर सिंह चौधरी ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारी संस्था के शांतिवन परिसर में शिक्षक दिवस पर मूल्यनिष्ठ शिक्षा और आध्यात्मिकता द्वारा स्व सशक्तिकरण विषय पर आयोजित त्रिदिवसीय सम्मेलन के समापन अवसर पर देश-विदेश से आये पांच हजार शिक्षाविदों को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम प्रारम्भ से पूर्व आन्ध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत राजशेखर रेडडी को दो मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गयी।

आगे उन्होंने कहा कि मूल्यनिष्ठ शिक्षा से बच्चों की दिशा और स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन होगा। आदिवासी तथा अति पिछड़े लोगों के विकास के सन्दर्भ में बोलते हुए कहा पूरे देश में चार सौ स्कूलों सहित 125 आवासीय कालेजों आदिवासी तथा जनजातिय बच्चों के पढ़ने की व्यवस्था की गयी है। जिससे पिछड़े तथा आदिवासी छात्रों को उचित और सुलभ शिक्षा प्रदान की जा रही है। विदेश पढ़ने वाले छात्रों को 22 लाख रूपये तक ऋण का प्रावधान सरकार ने दिया है। इसके अलावा जो आदिवासी और अति पिछड़े बच्चे पीएचडी और एम फिल कर रहे है उनके लिए स्कालनशिप की भी केन्द्र सरकार ने व्यवस्था की है जिससे उन्हें शिक्षा लेने में कोई भी बाधा न आये। यूपीए सरकार लोगों के सर्वांगिण विकास के लिए कटिबद्ध है। ब्रह्माकुमारीज संस्था और अन्नामलाई विश्वविद्यालय के द्वारा मूल्यनिष्ठ शिक्षा एवं पाठयक्रम से बच्चों को अच्छी शिक्षा उपलब्ध होगी जिससे हमारे देश के सामाजिक ढांचे में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा। आज शांति की तलाश सबको है इसलिए इस कार्यक्रम से निश्चित तौर पर एक शांति की ऊर्जा महसूस होगी।

संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि हमारा प्रयास एक अच्छा वातावरण और मूल्यों से परिपूर्ण समाज बनाने का है। इसी उद्देश्य को लेकर इस सम्मेलन का आयोजन किया गया है। हम सभी पुन: विश्व वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को साकार करते हुए एक वैश्विक मूल्यों को पुनर्स्थापित करने की क्रान्ति में भागीदार बने। शिक्षक समाज के निर्माता है इन्हें अपना पूर्ण रूप से सहयोग प्रदान करना चाहिए।

संस्था के महासचिव ब्र0 कु0 निर्वैर ने आदिवासी और पिछड़पन का कारण भौतिक शिक्षा के साथ मूल्यनिष्ठ शिक्षा की कमी बताते हुए इसे लोगों तक पहुचाने पर जोर दिया। शिक्षकों से अपील करते हुए मूल्यनिष्ठ शिक्षा द्वारा बच्चों को संस्कारवान बनाने का आह्वान किया। शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र0 कु0 मृत्युंजय ने कहा कि हमारी शिक्षा प्रणाली प्राचीन काल से ही विश्व में सम्माननीय और पूज्यनीय रही है इसलिए इसे पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम को दिल्ली से ब्र0 कु0 पुष्पा ने भी सम्बोधित किया।

इस अवसर पर उड़ीसा से आयी प्रोफेसर डा0 निरूपमा ने शिक्षकों को ईश्वरानुभूति करायी तथा कार्यक्रम का संचालन प्रशासक प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र0 कु0 हरीश ने किया।

तीन दिन तक चले शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों ने शिक्षा के विभिन्न आयामों पर चर्चा की तथा वर्तमान शिक्षा प्रणाली में सर्व सम्मति से मूल्यनिष्ठ शिक्षा एवं आध्यात्मिकता को लागू करने पर सहमति जताई। सम्मेलन के दौरान उदघाटन सत्र, खुले सत्र तथा विभिन्न कार्यशालाओं में सम्पन्न हुई।

सरकारी योजनाओं को गांवो तक पहुचाने पर नजर रखेगी सरकार

आबू रोड, 7 सितम्बर, निसं। भारत सरकार के भारत सरकार के जनजातीय कार्य केन्द्रिय राज्यमंत्री डा0 तुषार अमर सिंह चौधरी ने कहा कि आदिवासी इलाकों में अभी भी कई सामाजिक कुरीतियां है जिसके उन्मूलन की आवश्यकता है। आदिवासी इलाकों में सबसे विभत्स कुरीति मौताणे तथा अग्नि परीक्षा जैसी बुराईयों को समाप्त करने पर पर जोर दिया। रविवार सायं शांतिवन में पत्रकारों से बात कर रहे थे।

पिछड़े तथा आदिवासी इलाकों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए कमेटी के गठन करने की बात कही। आदिवासी तथा जनजातिय इलाकों के बच्चों को उच्च एवं मुफ्त शिक्षा देने के लिए सरकार को कटिबद्ध बताया। सभी मूलभूत सुविधाओं का उपलब्ध कराने के लिए अनेक कार्यक्रमों को क्रियान्वयन करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों की वार्षिक आय एक लाख से कम है उनके परिवारों तथा बच्चों के शिक्षा के लिए सरकार द्वारा अनेक योजनायें चलायी जा रही है। लड़कियों के लिए मुफ्त शिक्षा और रोजगार देने के लिए कई योजनाओं के बारे में बताया।

फोटो एबीआरओपी, 1, 2, 3, शिक्षक दिवस पर देश-विदेश से आये शिक्षकों को सम्बोधित करते डा0 चौधरी, सभा में उपस्थित देश विदेश से आये शिक्षाविद